Roll No. ....   Total Pages : 5

MDE/M-20

6987

प्रेमचन्द

Paper–X
Opt. IV

Time : Three Hours]   [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्न अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। खंड-1 व खंड-2 में से **एक-एक** व्याख्या अनिवार्य है।

खंड-1

(क) 'हाथ-पांव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से। ब्राह्मण देवता आशीर्वाद देंगे, ठाकुर लाठी मारेंगे, साहूजी एक पांच लेंगे। गराबी का दर्द कौन समझता है! हम तो मर भी जाते हैं, तो कोई दुआर पर झाँकने नहीं आता, कंधा देना तो बड़ी बात है। ऐसे लोग कुएँ से पानी भरने देंगे?' इन शब्दों में कड़वा सत्य था। गंगी क्या जवाब देती, किन्तु उसने वह बदबूदार पानी पीने को न दिया।

(ख) हाँ, उसमें यह शक्ति न थी, कि बैठकबाजों के नियम और नीति का पालन करता। इसलिए जहाँ उसकी मण्डली के और लोग गाँव के सरगना और मुखिया बने हुए थे, उस पर सारा गाँव उँगली उठाता था। फिर भी उसे यह तसकीन तो थी कि अगर वह फटेहाल है तो कम-से-कम उसे किसानों की-सी जी-तोड़ मेहनत तो नहीं करनी पड़ती, और उसकी

सरलता और निरीहता से दूसरे लोग बेजा फायदा तो नहीं उठाते!

(ग) जबरा ने पड़े-पड़े दुम हिलायी और अपनी कूँ-कूँ को दीर्घ बनाता हुआ कहा—कल से मत आना मेरे साथ, नहीं तो ठंडे हो जाओगे। यीह रांड पछुआ न जाने कहाँ से बरफ लिए आ रही हैं। उठूँ, फिर एक चिलम भरूँ। किसी तरह रात तो कटे! आठ चिलम तो पी चुका। यह खेती का मजा हैं! और एक भगवान ऐसे पड़े हैं, जिनके पास जाड़ा आए तो गरमी से घबड़ाकर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ, कम्बल। मजाल है, जाड़े का गुजर हो जाए। तकदीर की खूबी! मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें!

खंड-2

(घ) नवीन साहित्य की रुचि में बिल्कुल यही विकास नजर आ रहा है। वह अब आदर्श चरित्रों की कल्पना नहीं करता। उसके चरित्र अब उस श्रेणी से लिए जाते हैं जिन्हें कोई प्यूरिटन छूना भी पसन्द न करेगा। मेक्सिम गोर्की, अनातोल फ्रांस, रोमां रोलां, एच.जी. वेल्स आदि यूरोप के, स्वर्गीय रतननाथ सरशार, शरतचन्द्र आदि भारत के ये सभी हमारे आनन्द के क्षेत्र को फैला रहे हैं, उसे मानसरोवर और कैलाश की चोटियों से उतारकर हमारे गली-कूचों में खड़ा कर रहे हैं। वह किसी शराबी की, किसी जुआरी की, किसी विषयी को देखकर घृणा से मुंह नहीं फेर लेते। उनकी मानवता पतितों में वह खूबियां, उससे कहीं बड़ी मात्रा में देखती हैं, जो धर्म-ध्वजाधारियों में और पवित्रता के पुजारियों में नहीं मिलती।

(ङ) बच्चों में स्वाधीनता के भाव पैदा करने के लिए यह जरूरी है कि जितनी जल्दी हो सके, उन्हें कुछ काम करने का अवसर दिया जाए। आम तौर पर यह समझा जाता है, कि अच्छे माता-पिता का कर्त्तव्य अपनी सन्तानों को कठिनाइयों से दूर रखना है। इसका फल यह है कि ऊँचे खानदानों में लड़के क्रियाहीन हो जाते हैं। जब उन्हें बिना कोई उद्योग किए ही सारी चीजें मिल जाती हैं, तो फिर वे काम क्यों करें? हालांकि विचार-शास्त्र का यह एक मोटा सिद्धान्त है कि लड़कों को अपने हाथ से, अपने उद्योस से, कोई काम कर दिखाने में या कोई चीज बनाकर खड़ी कर देने में, जितना आनन्द मिलता है, उतना और किसी बात में नहीं। लड़का अपनी कागज की नाव पानी में डालकर जितना खुश होता है, उतना बड़े-बड़े विशाल जहाजों को चलते देखकर नहीं होता।

(च) साम्प्रदायिकता सदैव संस्कृति की दुहाई दिया करती है। उसे अपने असली रूप में निकलते शायद लज्जा आती है, इसलिए वह गधे की भांति जो सिंह की खाल ओढ़ कर जंगल के जानवरों पर रोब जमाता फिरता था, संस्कृति का खोल ओढ़ कर आती है। हिन्दू अपनी संस्कृति को कयामत तक स्वरक्षित रखना चाहता है, मुसलमान अपनी संस्कृति, अब संसार में केवल एक संस्कृति है, न कहीं हिन्दू-संस्कृति, न कोई अन्य संस्कृति, अब संसार में केवल एक संस्कृति है और वह है आर्थिक संस्कृति, मगर हम आज भी हिन्दू और मुस्लिम संस्कृति का रोना रोए चले जाते हैं। हालांकि संस्कृति है, लेकिन ईसाई संस्कृति और मुस्लिम या हिन्दू संस्कृति नाम की कोई चीज नहीं है। (3×7=21)

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखें :

(क) 'कर्मभूमि' उपन्यास की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'कर्मभूमि' उपन्यास में प्रेमचंद के जीवन-दर्शन पर विवेचनात्मक लेख लिखिए।

(ग) भाषा-शैली की दृष्टि से कर्मभूमि उपन्यास की विवेचना कीजिए।

(घ) वर्तमान संदर्भों में प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता पर सारगर्भित लेख लिखो।

(ङ) 'कर्मभूमि' उपन्यास में चित्रित विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(च) 'कर्मभूमि' उपन्यास में विभिन्न आंदोलनों का परिचय दीजिए।

(3×12=36)

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में हो।

(क) प्रेमचंद की जीवन दृष्टि।

(ख) प्रेमचन्द की उपन्यास कला।

(ग) प्रेमचन्द की भाषा।

(घ) प्रेमचन्द का निबंध-शिल्प।

(ङ) प्रेमचन्द की कहानी कला।

(च) प्रेमचन्द की शैली।

(छ) प्रेमचंद का कथा-शिल्प।

(ज) प्रेमचन्द की निबंध कला।

(झ) प्रेमचन्द पर मार्क्सवाद का प्रभाव।

(ञ) प्रेमचन्द और गांधीवाद। (5×3=15)

4. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'कर्मभूमि' के नायक का नाम लिखो।

(ख) प्रेमचंद की प्रथम रचना का नाम लिखो।

(ग) 'हल्कू' किस कहानी का पात्र है?

(घ) साम्प्रदायिकता हमेशा संस्कृति की दुहाई दिया करती है। किस निबंध की पंक्ति है?

(ङ) पाठ्यक्रम में सम्मिलित प्रेमचन्द के बच्चों संबंधी निबंध का नाम लिखो।

(च) प्रगतिशील लेखक संघ का अध्यक्षीय भाषण कब दिया था?

(छ) 'कर्मभूमि' किस वर्ष में प्रकाशित हुआ?

(ज) 'बुधिया' प्रेमचंद की किस कहानी का पात्र है? (1×8=8)